आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 06.09.2026

समय 1305

पहले मुख्य समाचार :–

- प्रदेश के बर्फ से ढके क्षेत्रों को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना की जाएगी।
- प्रदेश में निर्धारित मान्यता एवं शैक्षणिक मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले मदरसों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है।
- चमोली जिले के सीमांत क्षेत्रों में औषधीय पादपों की खेती किसानों के लिए रोजगार का बेहतर जरिया बनती जा रही है।
- और, प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का क्रम जारी है।

.....

जनगणना

वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश के बर्फ से ढके क्षेत्रों को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना की जाएगी। इसके बाद 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण का चरण चलेगा। वहीं नागरिकों को स्वयं गणना का विकल्प भी दिया गया है, जिसके लिए 16 से 30 नवंबर तक की अवधि निर्धारित की गई है। निदेशक जनगणना निदेशक जनगणना ने जानकारी देते हुए बताया कि पहली बार जनगणना के दौरान जाति संबंधी आंकड़े जुटाए जाएंगे।

जनगणना कार्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि चीन और नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के कारण उत्तराखंड सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों की गणना आम नागरिकों से अलग प्रक्रिया के तहत होगी।

.....

मदरसों पर कार्रवाई

प्रदेश में निर्धारित मान्यता एवं शैक्षणिक मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले मदरसों के विरुद्ध राज्य सरकार की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में देहरादून और हल्द्वानी में बिना मान्यता संचालित मदरसों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। अल्पसंख्यक मामलों के सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि देहरादून में तीन मदरसों के संबंध में कार्रवाई की गई। इनमें आजाद कॉलोनी स्थित मदरसा जामिया–तुस–सलाम अल–इस्लामिया को सील किया गया, जबकि मदरसा दार–ए–अरकम, आजाद कॉलोनी, माजरा तथा मदरसा दारूल उलूम रहीमिया के प्रबंधकों द्वारा मदरसों का संचालन बंद किए जाने संबंधी लिखित प्रतिबद्धता दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 17 मदरसों को सील किया जा चुका है, जबकि तीन मदरसों के प्रबंधकों ने संचालन बंद किए जाने की लिखित सूचना दी है। इस प्रकार अब तक कुल 20 बिना मान्यता संचालित मदरसों का संचालन बंद कराया गया है।

.....

च्मोली

चमोली जिले के सीमांत क्षेत्रों में औषधीय पादपों की खेती किसानों के लिए रोजगार का बेहतर जरिया बनती जा रही है। नंदानगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में किसान कुट और कुटकी का उत्पादन कर रहे हैं। जड़ी–बूटी शोध संस्थान की ओर से भी किसानों को इन औषधीय फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान में करीब 150 से अधिक काश्तकार कुट और कुटकी का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उन्हें सीधे आर्थिक लाभ मिल रहा है।स्थानीय काश्तकार अब इन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

किसानों का कहना है कि कुट और कुटकी का उत्पादन बड़े स्तर पर किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए बेहतर विपणन व्यवस्था जरूरी है।

जड़ी–बूटी शोध संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सीपी कुनियाल के अनुसार

चमोली में कुटकी को एक बेहतर वैकल्पिक फसल के रूप में विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं।

.....

बारिश

प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का क्रम जारी है। इस बीच अल्मोड़ा में तीन दिन से लगातार दिन रात वर्षा होने के कारण जन जीवन प्रभावित हो गया है। कई सड़क मार्ग, और पैदल मार्ग अवरुद्ध हैं। रानीखेत–अल्मोड़ा मोटर मार्ग पर बुबु धाम के पास एक विशाल चीड़ का पेड़ गिरने से मार्ग पूर्ण रूप से अवरुद्ध हो गया। जिससे यातायात बाधित हो गया था। सूचना प्राप्त होते ही फायर रेस्क्यू टीम रानीखेत तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। फायर रेस्क्यू टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए यातायात को सुचारू किया गया।

.....

आईब्रिक्स शिखर

नई दिल्ली में इस महीने की 12 और 13 तारीख़ को आईब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 500 से अधिक संस्थागत निवेशक, वित्त मंत्री और उद्योगपति शामिल होंगे। यह आयोजन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समानांतर होगा। सम्मेलन का उद्देश्य ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों और साझेदार देशों में संप्रभु पूंजी का उपयोग भरोसेमंद बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और डिजिटल क्षमता परियोजनाओं के लिए करना है। संप्रभु धन कोष, पेंशन कोष और परिवार कार्यालय कुल मिलाकर 1 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। सम्मेलन में सीमा–पार निवेश, गैर–डॉलर निपटान और भुगतान प्रणालियों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, भारत की यूपीआई भुगतान प्रणाली और ब्राजील की पिक्स भुगतान प्रणालियों को जोड़ने तथा डिजिटल मुद्राओं में कारोबार पर भी चर्चा होने की संभावना है।

भारत की अध्यक्षता में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा।

.....

दुबड़ी

टिहरी गढ़वाल के जौनपुर क्षेत्र में लोक आस्था और प्रकृति पूजन का पर्व लोक पर्व दुबड़ी पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। नैनबाग के अंतर्गत ग्राम मौगी पाब में आयोजित दुबड़ी पर्व में अपर

जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने प्रतिभाग कर ग्रामीणों के साथ प्रकृति पूजन एवं लोक परंपराओं में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, रीति–रिवाज और प्रकृति के प्रति ग्रामीणों की आस्था को करीब से जाना। दुबड़ी लोक पर्व में प्रकृति पूजन की अनूठी परंपरा निभाई जाती है। पर्व के अवसर पर ग्रामीण सार्वजनिक स्थान पंचायत चौक पर एकत्रित होकर एक बड़ा डंडा गाड़ते हैं। इसके बाद ग्रामीण अपने खेतों में उगाई जा रही नई फसल एवं करीब 12 प्रकार के अनाजों के पौधों की पत्तियां लेकर आते हैं और उन्हें डंडे के चारों ओर सजाया जाता है। इस प्रकार फसल–पत्तियों से सजाए गए डंडे को 'दुबड़ी' कहा जाता है।

.....